5. मुद्राराक्षस नाटक का नायक राक्षस अथवा चाणक्य कौन हो सकता है ? संक्षेप में समझाइए।

6. "स्त्रीणामाद्यं प्रणयवचनं विभ्रमो हि प्रियेषु।" सूक्ति को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

7. नाटक की कार्यावस्थाओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

8. मुक्तक काव्य के उद्‌भव पर प्रकाश डालिए।

9. मृच्छकटिकम् नाटकानुसार किन्हीं **दो** सूक्तियों की व्याख्या कीजिए :

   (i) भाग्यक्रमेण हि धनानि भवन्ति यान्ति च।

   (ii) अहो निधनता सर्वापदामास्पदम्।

   (iii) मुमूर्षुर्यो भवति न स खलु जीवति।

   (iv) रत्न रत्नेन संगच्छते।

खण्ड—स **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

10. 'मेघदूतम्' की रस योजना पर एक निबन्ध लिखिए।

11. नाटक किसे कहते हैं ? रूपक के भेदों का उल्लेख करते हुए संस्कृत नाटकों की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

12. 'मृच्छकटिकम्' के आधार पर वसन्तसेना का चरित्र-चित्रण कीजिए।

13. ''मुद्राराक्षसम् नाटक एक सफल राजनैतिक नाटक है।'' इस पंक्ति के आलोक में मुद्राराक्षसम् नाटक की समीक्षा कीजिए।

MASA–02

December – Examination 2022

M.A. (Previous) Examination

SANSKRIT

(ललित साहित्य एवं नाटक)

Paper : MASA-02

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) कालिदास कृत विक्रमोर्वशीयम् का उपजीव्य कौनसा ग्रन्थ है ?

   (ii) मेघदूतम के किसी एक टीकाकार का नाम लिखिए।

   (iii) भाण के दो प्रमुख तत्त्व बताइए।

   (iv) राक्षस के तीन विश्वासपात्रों के नाम लिखिए।

(v) मुद्राराक्षस में मुख संधि एवं विमर्श संधि किन अंकों में में प्रयुक्त है ?

(vi) मृच्छकटिकम् का क्या अर्थ है ?

(vii) चारुदत्त के मित्र विदूषक का क्या नाम है ?

(viii) प्रकरण किसे कहते हैं ?

खण्ड—ब **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सन्दर्भ, प्रसंग एवं अन्वय सहित हिन्दी भाषा में अनुवाद कीजिए :

(अ) रत्नच्छायाव्यतिकर इव प्रेक्ष्यमेतत्पुरस्तात्
वल्मीकाग्रात् प्रभवति धनुः खण्डमाखण्डलस्य।
श्येन श्यामं वपुरतितरां कान्तिमापत्स्यते ते,
बर्हेणेव स्फुरितरुचिना गोपवेषस्य विष्णोः॥

अथवा

(ब) श्यामास्वङ्गं, चकितहरिणीप्रेक्षणे दृष्टिपातं,
वक्त्रच्छायां शशिनि, शिखिनां बर्हभारेषु केशान्।
उत्पश्यामि प्रतनुषु नदीवीचिषु भूरविलासान्,
हन्तैकस्मिन्क्वचिदपि न ते चण्डि! सादृश्यमस्ति॥

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए :

(अ) अप्राज्ञेन च कातरेण च गुणः स्याक्तियुक्तेन कः
प्रज्ञाविक्रम शालिनोऽपि हिभवेत्किं भक्तिहीनात्फलम्।
प्रज्ञाविक्रमभक्तयः समुदिता येषां गुणा भूतये
ते भृत्या नृपतेः कलत्रमितरे संपत्सु चापत्सु च॥

अथवा

(ब) मम विमृशतः कार्यारम्भे विधेरविधेयता–
मपि च कुटिलां कौटिल्यस्य प्रचिन्तयतो मतिम्।
अपि च विहिते मत्कृत्यानां निकाममुपग्रहे
कथमिदमिहेत्युन्निद्रस्य प्रयात्यनिशं निशा॥

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए :

(अ) शून्यमपुत्रस्य गृहं, चिरशून्यं नास्ति यस्य सन्मित्राम्।
मूर्खस्य दिशः शून्याः, सर्वं शून्यं दरिद्रस्य॥

अथवा

(ब) यः कश्चित्तवरितगतिर्निरीक्षते मां,
सम्भ्रान्तं द्रुतमुपसर्पति स्थितं वा।
तं सर्वं तुलयति दूषितोऽन्तरात्मा,
स्वैर्दोषैर्भवति हि शंकितो मनुष्यः॥